

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1164
उत्तर देने की तारीख-29/07/2026

उच्चतर शिक्षा में पद तथा रिक्तियां

1164 डा. वी. शिवादासन:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत पांच वर्षों के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों (सीएफटीआई) में शिक्षकों के रिक्त पदों की संख्या का संस्थान-वार, वर्ष-वार तथा सामाजिक श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) विगत पांच वर्षों के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा सीएफटीआई में पी-एच.डी. के रिक्त पदों की संख्या का संस्थान-वार, वर्ष-वार तथा सामाजिक श्रेणी-वार ब्यौरा क्या है;
- (ग) विगत पांच वर्षों के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा सीएफटीआई में सृजित नए शिक्षण पदों की संख्या का संस्थान-वार तथा वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और
- (घ) विगत पांच वर्षों के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा सीएफटीआई में सृजित पी-एच.डी. की नई सीटों की संख्या का संस्थान-वार तथा वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ) केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयू) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जैसी केन्द्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थाएं (सीएफटीआई) सहित शिक्षा मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय उच्चतर शिक्षा संस्थाएं (सीएचईआई) सांविधिक स्वायत्त संगठन हैं जो संसद के संबंधित केन्द्रीय अधिनियमों के अंतर्गत स्थापित की जाती हैं और उनके अंतर्गत बनाए गए अधिनियमों/संविधियों/अध्यादेशों/विनियमों के प्रावधानों द्वारा शासित होते हैं। स्वायत्त संस्थाओं के रूप में, संकायों की भर्ती संस्थानों के भीतर ही उनके अधिनियमों और

विनियमों के अनुसार की जाती है। भर्ती की शक्तियां संबंधित शासी मंडल/कार्यकारी समिति/प्रबंधन बोर्ड के पास निहित होती हैं।

रिक्तियों का होना और उन्हें भरना एक सतत् प्रक्रिया है। पदोन्नति, सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र, मृत्यु, नई संस्थाओं, योजनाओं या परियोजनाओं की शुरुआत और छात्रों की बढ़ी हुई संख्या और मौजूदा संस्थानों में क्षमता के विस्तार के कारण अतिरिक्त आवश्यकताओं के कारण रिक्तियां उत्पन्न होती हैं।

अगस्त 2021 में, शिक्षा मंत्रालय के तहत सभी सीएचईआई से अनुरोध किया गया था कि वे अपने संस्थानों में बैकलॉग रिक्तियों को मिशन मोड में भरने के लिए विशेष अभियान चलाएं। सीएचईआई ने अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) सहित रिक्तियों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाया। सितंबर 2022 में, शिक्षा मंत्रालय ने भी सभी सीएचईआई को मिशन मोड में रिक्तियों को भरने के लिए प्रोत्साहित किया था। अक्टूबर 2025 में सभी सीएचईआई से पुनः मिशन मोड में सभी बैकलॉग रिक्तियों को भरने का अनुरोध किया गया है। सितंबर 2022 से, सभी सीएचईआई ने रिक्तियों को भरने के लिए मिशन मोड भर्ती अभियान चलाया है। दिनांक 23.05.2026 तक (अर्थात् पिछले रोजगार मेले की तारीख), मिशन मोड में 18757 संकाय पदों (2315 एससी, 910 एसटी, 3986 ओबीसी, 568 ईडब्ल्यूएस) सहित सभी सीएचईआई द्वारा कुल 32114 पद (3851 एससी, 1643 एसटी, 6785 ओबीसी, 1191 ईडब्ल्यूएस) भरे गए हैं।

सीएचईआई में पीएचडी प्रवेश की संख्या गतिशील होती है और प्रत्येक प्रवेश चक्र में संकाय पर्यवेक्षकों की उपलब्धता, विभागीय आवश्यकताओं और वित्तीय सहायता के आधार पर परिवर्तित होती है। इसके अलावा, पीएचडी पदों की उपलब्धता संस्थान की संकाय संख्या के साथ बदलती है। नए संकाय सदस्य अतिरिक्त शोध पर्यवेक्षण क्षमता में संवर्धन करते हैं, जबकि संकाय सदस्यों के शोधकर्ता जो त्यागपत्र देते हैं, सेवानिवृत्त होते हैं, या स्थानांतरित हो जाते हैं, उन्हें संस्थान के शैक्षणिक नियमों के अनुसार अन्य पात्र पर्यवेक्षकों को पुनः सौंपा जाता है। पीएचडी नामांकन की संख्या 1,17,301 (एआईएसएचई रिपोर्ट 2014-15 के अनुसार) से बढ़कर 3,43,559 (एआईएसएचई रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार) हो गई है, जो 192.89% की वृद्धि दर्शाती है।
